॥ श्री गणेश दर्शन • पावन भक्ति संग्रह ॥

श्री गणेश जी की आरती

SHREE GANESH AARTI • JAI GANESH JAI GANESH DEVA

ॐ

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥
एकदन्त दयावन्त, चारभुजाधारी।
माथे पर तिलक सोहे, मूसे की सवारी॥
पान चढ़े, फूल चढ़े, और चढ़े मेवा।
लड्डुअन का भोग लगे, संत करें सेवा॥

अन्धे को आँख देत, कोढ़िन को काया।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया॥
'सूर' श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥
जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

कर्पूरगौरम् स्तुति एवं समर्पण

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।
सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि॥

भावार्थ: जो कर्पूर के समान गौर वर्ण वाले, करुणा के साक्षात् अवतार, संसार के सार और भुजंगों का हार धारण करने वाले हैं, वे शिव-पार्वती सहित सदैव हमारे हृदय में वास करें।